आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:04-12-14

इस रीयल महाभारत युद्ध में हम आत्माओं को माया पर विजय पाने का रास्ता बताते हुए सर्वशक्तिमान बाप ने कहा, मीठे बच्चे - याद में रहने की प्रैक्टिस करो तो सदा हर्षित मुख, खिले हुए रहेंगे, बाप की मदद मिलती रहेगी, कभी मुरझायेंगे नहीं (यानी माया से हार नहीं होगी).

हम सब आत्माये जो भी अभी ब्राह्मण बने है अपने को उस बेहद के बाप के बच्चे तो जरूर समझते होंगे. बाबा ने आज की मुरली में बार-बार कहा, जब तक आत्मा में यह पक्का निश्चय न हो कि वह हमारा बाप है तब तक आत्मा उस बेहद के बाप से वर्से का अधिकारी भी नहीं बनती. इस यज्ञ में सबसे मुख्य बात, अपने को आत्मा समझ उस बेहद के बाप को (परमपिता-परमात्मा शिव को) अपना सत्य बाप समझ उसकी कही हुई श्रीमत् को पुरा फालो करें और फिर अलौकिक ब्रह्मा बाप को भी अपना अलौकिक पिता समझ उसको भी साकार में फालो करें. हम आत्माये सच में भाग्यशाली है कि अभी हमें दो इंजिन मिले है. दोनों को साथ में याद करने से हम फास्ट गति से अपना प्रोग्रेस कर सकते हैं.

आज की मुरली से बाबा ने कहे कुछ महा-वाक्यों को बाप की याद में फिर से पढ़ेंगे तो हम जरूर निश्चय बुद्धि बन सकेंगे.

- बाबा समझते है कि यह मेरे लाड़ले बच्चे है लेकिन जब बच्चे अपने को उस बेहद बाप के समझे तब ही बच्चों को बाप का वर्सा भी याद रहें. बच्चों को ही स्मृति रहती है कि हम भविष्य में बाबा का वर्सा लेंगे. हम भविष्य में प्रिन्स-प्रिन्सेज बनेंगे.

- बाबा कहते है तुम अभी उनके बच्चे बने हो तो बाकी जो भी मित्र-सम्बन्धी आदि हैं उन सबको भूलना पड़े. एक बाप के सिवाय दूसरा कोई याद न पड़े. अपना यह देह भी याद न पड़े. देह-अभिमान को तोड़ देही-अभिमानी बनना है.

- बाबा कहते है याद करने की प्रैक्टिस करते रहेंगे तो सदैव हर्षित मुख खिले हुए फुल रहेंगे. बाप को भूल ने से फूल मुरझा जाता है. हिम्मते बच्चे मददे बाप.

- बाबा कहते है तुम बच्चों को बाप से शक्ति लेकर माया पर जित पानी है. तो जरूर बाप को याद करना पड़े तब ही तुम स्वर्ग के मालिक बनेंगे. तो यह है युद्ध का मैदान. योग में रह शक्ति लेकर विकारों पर जीत पानी है.

- बाबा कहते है जो बच्चे समझते है कि हम यह शरीर छोड़कर प्रिन्स-प्रिन्सेज बनेंगे, वह फिर वफ़ादार, फरमानवरदार हो बाप की श्रीमत् पर भी चलते होंगे.

- बाबा कहते है बच्चों में पहले यह निश्चय चाहिए की वह हमारा बाप है. उनको ही नॉलेजफुल कहा जाता है. उनमें ही सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त की नॉलेज है.

- बाबा समझाते हैं - मम्मा-बाबा कहते हैं तो बाप का बच्चा बनना पड़े, फिर वह दिल में पक्का हो जाता है कि यह हमारा रुहानी बाप है. बाकी यह युद्ध का मैदान है, इसमें डरना नहीं है, कमजोर नहीं बनना. शेर बनना. एक बाप की याद से माया पर विजय पाना. बाप को ही तुम्हें सर्टिफिकेट देना है.

- बाबा कहते है मैं ही आकर सहज ज्ञान, सहज योग सिखलाता हूँ. सर्व शास्त्रमई शिरोमणि गीता हैं, उस सच्ची गीता द्वारा वर्सा मिलता है. कृष्ण को भी गीता से वर्सा मिला, गीता का भी बाप जो रचयिता है, वह बैठ वर्सा देते हैं. बाकी गीता शास्त्र से वर्सा नहीं मिलता. रचयिता है एक, बाकी हैं उनकी रचना.

ॐ शांति.